

ASIA ARCHIVES

323

सत्यमेव जयते

ॐ नमो गीत
नमः गीत छ
ॐ ॥ ॐ नमो गीत
समय दक्षिणः
भगवत्पुत्रिणिः

कात्त्याय ॥ ॐः
महागोपधाय
पुत्राय ॥ अथान
कुंरुम गोर्ध
द्विकल्पवीनः

मृत्तिर्गिनसकुं ॥ गीत छ मद्रागोपधाय यमनाव
ल्लुत्तु न्याना लया ॥ चकोदेक भाभानवाभूत्याः
कात्रयसर्वदा ॥ अथगिगीर्ध कुंरुम ॥ नमूनदिः
गीनससकुं भा ॥ चकोदि ॥ कुंरुम ॥ कात्त्याय
कुंरुम ॥ अथमनावद्वृत्तवाचिसत्तात्तिनः

२

जिनमकीलयन्॥ सर्वदृष्टनांमक्तु जाकात्मनेन
 नःप्रिवक्ष्यं॥ ॐ अः ॥ ननःपायत्सक्तु॥ अभूयः
 नाहानवकाभावात्सका ॥ यूनतिगुडिमनूः
 सनन्॥ नः ॥ वं ॥ सर्वेतिक्ता नां धर्मिभक्तु ॥ भला
 वात्सकी ॥ ननः के नू धम मूत्या श ॥ भा नायि समा

३

दक्षद्विदितिवयन्॥ ॥ का नकप्र संनिहं सः
 योमधुलसमा नू ॥ सं ॥ न धनिवीनमसाय ॥ नः
 योने नसी समा नू ॥ के ॥ वं ॥ वू ॥ आ ॥ स ॥ हि ॥ नं ॥ न
 : संपू ॥ वू ॥ आ ॥ नं ॥ गु ॥ ध ॥ य ॥ ध ॥ नू ॥ मा ॥ द ॥ ना ॥ ॥ भ ॥ का ॥ ॥ ॥
 दि ॥ स ॥ ला ॥ ना ॥ नू ॥ यी ॥ ला ॥ य ॥ द ॥ भ ॥ ना ॥ ॥ अ ॥ न ॥ नि ॥ क ॥ न ॥ का

ॐ नमः ॥ ॐ का नं य धि नि नि नः ॥ ॐ का नं य जि न
नं सूर्यो मधु लं य का नं वि धि नि नं ॥ ॐ संह के न उं
२ का नं य जि न नं र व य सि धा नं य सूर्य सूर्य सूर्य सूर्य
रु के वि हा व य न ॥ ॐ रु कं न ल मी लि न नार्थ य
ॐ र म सा य जि रु मि नं ॥ ॐ रु कं न व नि का लं सूर्य

रु कं वि रु मि नं ॥ ॐ सूर्यो मधु लं सूर्य कं सूर्य न वू डा
सूर्यो मि ल ता म न रू गा म के य के मू डा या म हि न रू
सु व मि य नि धा नं का ॥ ॐ सा ल नि लं सूर्य कं ॥ ॐ य ही य
ॐ सूर्य कं सूर्य नि धी य मा न य सूर्य कं ॥ ॐ रु मी ल रू
यान कं न का व रु कं य मी नं यि नं ल क य म मि नं ॥

रुद्रवाप्यारुद्रकेनानात्रयपाम्भरिना॥प्रनरु
वांलवागानरुभीदहमसाजाषश॥लवयसी
वा गतिरुनवूआरुकेनगस्यः॥ॐ निगलासदिनयः ॐ
मनुद्याननाभनं॥नगायंमनुजाक॥ॐॐॐॐॐ
धुनूपा॥वट्रंयवट्रंकरुंयसुलयंयसुलयं

गुगलंवन्यंरुंकरुंयसुलयंरुंमासुयंरुंसर्वभक्त
नांमसुलवचनं॥वूगुंरुंसर्वभक्तिनीनांगरुंरुंनयि
भाभयकानां॥जागयंरुंमलंरुंमलंयंरुंगुंयंरुं
गुंका॥नरुंरुंयवयंरुंयंरुंमसासनसुवीरुंययः
नि॥प्रममनुजाकासर्वकमीष्टिकजाकि॥ॐॐॐॐॐ

कुयनल॥पूरीकाहवनाविधिंवक्रयन्॥नगीकरी
न्॥मकुयवनाकाजयन्॥नीलंसुलिकाधाला॥म
यताजागरुनिनितिगुनाकाहंलवयन्॥एकव
न्यननमाजराहालाकोनवीकनहनदंमयाग्ननरु
यन्॥मकुंलवयन्॥यावन्खादानयाकयन्॥मड

भानिविगुद्धमनूसमजन्॥नदात्मयागाधकयन्म
कुंमहाकेयाहवयन्॥यावन्खेदानकायनखे
उभविगुद्धिमविगुद्धिमनूसमजन्॥नदात्मयाग्न
नविरुजन्॥यागयि०००यागुङ्गायादिनसाके
वगीनहवनविरुजन्॥यदेभालियथादृष्टनकु

नमो ह्यत्रयदि भदि भिद्यन्ता संरुद्रययिवा नमः
नानिवा सः भभभनद्या नं सर्वमायाविवर्तिनं मा
या माय माया वाचिन ह्या मायाविवर्तयन् ॥ लक्र
कनरुवे लक्रिद्वि लक्र गति नीजा सुनं यः यः
यः लक्र हं किं पून द्वि भ लक्र हं यत्किं किं लक्र नः

न लक्र मीनि लक्र कन कार्य ने द्वि ॥ काटिकायन
हवत्सिद्धि यवना का जमर्किहिः किं पूनः सयः
काटिकायन काय नेश्वर जिय य भालिवि जदि
ने या गी मनु यानदि न न भ कय लक्र संवू आवडा
य यो सय भिनी वया या गी विष्णु आवह क हक

ल्यथद्रु॥ संपूर्कं रूपादेकैकं न जाग्रा जागतिवर्क
 यत्ताप्युक्त्या नूमादि नै सर्वकस्मादकस्मात्
 मोलिनाम् ॥ १॥ ॥ ॐ निसिञ्जकल्लवी ॥
 मोक्षनालीयसुमदा मोषससाधनसमाप ॥
 यथाभीष्टं नादि ॥ १॥ सर्वमेकं लंस्या ॥ १॥